समाज कार्य परामर्श में स्नातकोत्तर उपाधि

(एम.एस.डब्ल्यू. परामर्श प्रथम वर्ष)

सत्रीय कार्य : 2023–2024

पाठ्यक्रम शीर्षक

एम.एस.डब्ल्यू–001	:	समाज कार्य का उद्‌गम और विकास
एम.एस.डब्ल्यू–002	:	व्यावसायिक समाज कार्य : भारत परिप्रेक्ष्य
एम.एस.डब्ल्यू–005	:	समाज कार्य में प्रयोग और पर्यवेक्षण
एम.एस.डब्ल्यू–008	:	सामाजिक समूह कार्य : समूहों के साथ कार्य करना
एम.एस.डब्ल्यू–009	:	सामुदायिक विकास के लिए समुदाय संगठन प्रबंधन

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य जमा कराने की अन्तिम तारीखः

जुलाई,2023 सत्र – 31 मार्च,2024

जनवरी,2024 सत्र – 30 सितम्बर,2024

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय

समाज कार्य विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

प्रिय शिक्षार्थी,

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के समाज कार्य (परामर्श) में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (प्रथम वर्ष) में आपका स्वागत है। आपने समाज कार्य में स्नातकोत्तर होने के लिए यह कार्यक्रम एक उद्देश्य के साथ चुना है ताकि आप मानवजाति की सामाजिक दशाएं सुधार सकें।समाज कार्य (परामर्श) कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए, कृपया निम्नलिखित बातों का पालन करें:

अपना अध्ययन आरंभ करने से पहले कार्यक्रम दर्शिका को पढ़िए। इससे इग्नू के समाज कार्य (परामर्श)कार्यक्रम का अध्ययन करने के बारे में आपके अधिकतर संदेह दूर हो जाएंगे।

- आप अपने सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में समय पर जमा कराएं।
- अपने अध्ययन केंद्र और क्षेत्रीय केंद्र के संपर्क में रहें।
- क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षण के लिए अध्ययन केंद्र में अपने क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक से मिलें।
  परीक्षा फार्म समय पर भरें।

सत्रीय कार्य एक खुली किताब है और हम इग्नू में प्रत्येक पाठ्यक्रम के समग्र ग्रेड की गणना करते समय सत्रीय कार्यों के लिए30% भारित देते हैं।**सत्रीय कार्य हस्तलिखित और स्वहस्ताक्षरित होने चाहिए।** सत्रीय कार्य–प्रतिक्रिया का एक अच्छा सेट तैयार करने के लिए आप उन सभी अध्यायों को पढ़े जिनमें से सवाल तैयार किए गए हैं। आप अपने सहकर्मी, शैक्षिक परामर्शदाताओं और प्रोफेसरों के साथ चर्चा करें, जिन्होंने आपको पढ़ाया है। मसौदा तैयार करें, उस पर आवश्यक सुधार करें और तब अंतिम संस्करण अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करने के लिए तैयार करें।

हर सवाल का जवाब देने के लिए नया पृष्ठ शुरू करें। लंबे और मध्यम जवाब देने के लिए एक परिचय, मुख्य भाग के लिए एक उप–शीर्षक और एक निष्कर्ष हो। प्रत्येक अनुच्छेद के बीच एक लाईन छोड़ें। आपके जवाब विशिष्ट हों और आपके अपने शब्दों में हो, यह किताब की नकल ना हो। आपके उत्तर इग्नू के पठन सामग्री पर आधारित हों। सत्रीय कार्य आपके सत्रांत परीक्षा की तैयारी है, इसलिए इसे गंभीरतापूर्वक लें।

डॉ. एन. रम्या
(कार्यक्रम समन्वयक)

समाज कार्य का उद्गम और विकास
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–001
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) समाज कार्य और समाज कल्याण के विकास में ऐतिहासिक मील के पत्थर के बारे में चर्चा करें। 20

अथवा

यूरोप में समाज कार्य के इतिहास का पता लगाएँ। 20

2) सामान्यवादी अभ्यास की व्याख्या करें। कारण दीजिए कि यह भारत में क्यों प्रासंगिक है? 20

अथवा

NASW आचार संहिता क्या है? NASW आचार संहिता का उद्देश्य स्पष्ट करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **300** शब्दों में) दीजिए:

क) दूरस्थ प्रणाली के माध्यम से समाज कार्य करने के क्या लाभ हैं? 10

ख) अफ्रीका में समाज कार्य अभ्यास के विकास की व्याख्या करें। 10

ग) पेशेवर समाज कार्य के मूल्यों, सिद्धांतों और नैतिकता को सूचीबद्ध करें । 10

घ) NASA की आचार संहिता की प्रासंगिकता को परिभाषित करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिए:

क) 'उत्तर आधुनिक समाज' में समाज कार्य के बारे में संक्षेप में लिखिए। 5

ख) दान, स्वैच्छिक कार्य और श्रमदान का वर्णन करें । 5

ग) सामाजिक क्रिया के आवश्यक घटकों की सूची बनाएं। किसी एक को समझाइए। 5

घ) यूनाइटेड किंगडम में पूर्व–औद्योगिक,आधुनिक और उत्तर–आधुनिक समाज कल्याण की व्याख्या करें। 5

ङ) समाज कार्य और आधुनिक समाज के बारे में चर्चा करें। 5

च) प्रासंगिक उदाहरण सहित सामाजिक न्याय की व्याख्या करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (लगभग **100** शब्दों में) लिखिए:

क) सामाजिक न्याय सामान्यवादी अभ्यास 4

ख) समाज कल्याण प्रशासन की स्किडमोर परिभाषा 4

ग) प्रशांत क्षेत्र में समाज कार्य का विकास 4

घ) समाज कार्य अनुसंधान 4

ङ) समाज कार्य के उद्देश्य 4

च) समूह कार्य के लाभ 4

छ) वैयक्तिक कार्य का महत्व 4

ज) सामुदायिक कार्य का अनुप्रयोग 4

व्यावसायिक समाज कार्यः भारत परिप्रेक्ष्य
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–002
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) राष्ट्रीय विकास में सामाजिक कार्यकर्ताओं की भागीदारी को परिभाषित करें। 20

अथवा

भारत में विभिन्न समाज कार्य शिक्षण संस्थानों के विकास का वर्णन करें। 20

2) उपयुक्त उदाहरणों के साथ नीति निर्माण और विकास में सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका पर चर्चा करें। 20

अथवा

बौद्ध धर्म और समाज कार्य की व्याख्या करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **300** शब्दों में) दीजिएः

क) प्राचीन काल में कल्याणकारी राज्य की प्रकृति पर विस्तार से प्रकाश डालें। 10
ख) भारत में विभिन्न समाज कार्य शिक्षण संस्थानों की स्थापना के विभिन्न चरणों का वर्णन करें। 10
ग) जनजातीय विकास के क्षेत्र में एक विशेष अधिकारी के कर्तव्यों की चर्चा करें। 10
घ) भारतीय समाज पर समाज सुधार आंदोलनों के प्रभाव पर चर्चा करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिएः

क) वे कौन से मूल्य हैं जिन पर गांधीजी एक आदर्श समाज का निर्माण करना चाहते थे? 5
ख) ईसाई जीवन के प्रमुख पहलुओं और इसकी सामाजिक शिक्षाओं की व्याख्या करें। 5
ग) एक पेशेवर सामाजिक कार्यकर्ता को गांधीवादी समाज कार्य से परिचित क्यों होना चाहिए? 5
घ) राष्ट्रीय विकास परिषद के बारे में चर्चा करें। 5
ङ) स्वतंत्रता पूर्व काल में भारत में गांधीवादी समाज कार्य के प्रमुख क्षेत्र कौन से थे? 5
च) गांधीवादी सामाजिक कार्य की सामान्य विशेषताओं की गणना करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर (लगभग **100** शब्दों में) संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिएः

क) कैरियर के रूप में समाज कार्य 4
ख) गांधीवादी रचनात्मक कार्यक्रम 4
ग) सामाजिक नीति 4
घ) पंचवर्षीय योजनाएँ 4
ङ) समाज कार्य शिक्षा 4
च) भारत के समाज सुधारक 4
छ) बुद्ध और बौद्ध धर्म 4
ज) केंद्रीय समाज कल्याण बोर्ड 4

समाज कार्य में प्रयोग और पर्यवेक्षण

सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–005
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) समाज कार्य अभ्यास को परिभाषित करें। समाज कार्य अभ्यास के मॉडल और केंद्रीय विषयों पर प्रकाश डालें। 20

अथवा

व्यक्तियों, परिवारों और समूहों के साथ काम करते समय सीखने की अपेक्षाओं पर चर्चा करें। 20

2) पर्यवेक्षण को परिभाषित करें। पर्यवेक्षण के विकासात्मक और कार्य मॉडल के बीच अंतर स्पष्ट करें। 20

अथवा

यक्तियों और समुदायों के साथ क्षेत्र कार्य अभ्यास पर विस्तार से बताएं। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिएः

क) दूरस्थ मोड में समाज कार्य शिक्षा में फील्ड प्रैक्टिकम – इग्नू मॉडल की व्याख्या करें। 10

ख) समाज कार्य में व्यावहारिक छात्रों के लिए पेशेवर पर्यवेक्षण प्रदान करने में प्रशिक्षण संस्थान की भूमिका की पहचान करें। 10

ग) समाज कार्य अभ्यास/प्रैक्टिकम के सिद्धांतों की सूची बनाएं। 10

घ) बाल देखभाल सेटिंग में समाज कार्य अभ्यास का वर्णन करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिएः

क) भारत में क्षेत्र कार्य में छात्र सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा सामना की जाने वाली समस्याओं पर चर्चा करें। 5

ख) संयुक्त राज्य अमेरिका में एक पेशे के रूप में सामाजिक कार्य के उद्भव का वर्णन करें। 5

ग) सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए संचार कौशल की व्याख्या करें। 5

घ) सामाजिक अभ्यास के लिए महत्वपूर्ण दिशानिर्देशों की सूची बनाएं। 5

ङ) व्यावसायिक कामकाज पर तनाव के प्रभाव का विश्लेषण करें। 5

च) अनुसंधान संस्थानों में क्षेत्र कार्य प्लेसमेंट के महत्व का उल्लेख करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (प्रत्येक लगभग **100** शब्दों में) लिखिएः

क) फील्ड प्लेसमेंट 4

ख) रिकॉर्डिंग 4

ग) अंतर–सांस्कृतिक सहायता 4

घ) उपदेशात्मक पर्यवेक्षण 4

ङ) भूमिका संघर्ष 4

च) स्कूल सर्वेक्षण 4

छ) परिवीक्षा 4

ज) किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम 4

सामाजिक समूह कार्य : समूहों के साथ कार्य करना
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–008
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) सामाजिक समूह कार्य क्या है? समूह निर्माण की प्रक्रिया पर चर्चा करें। 20

अथवा

प्रासंगिक उदाहरणों के साथ समूह नेतृत्व को प्रभावित करने वाले कारकों पर चर्चा करें? 20

2) समूह विकास के चरणों/पड़ावों का वर्णन करें। 20

अथवा

सामाजिक समूह कार्य के विभिन्न मॉडलों की व्याख्या करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिए:

क) अस्पताल की स्थापना में समूह कार्यकर्ता की भूमिका पर चर्चा करें। 10

ख) सामुदायिक सेटिंग में समूह कार्य की आवश्यकता को स्पष्ट करें। 10

ग) समूहों के प्रकारों का विस्तार से वर्णन करें। 10

घ) नशामुक्ति केंद्रों में समूह कार्य के महत्व पर चर्चा करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिए:

क) स्कूल सेटिंग में समूह कार्य के उद्देश्यों को सूचीबद्ध करें। 5

ख) समूह निर्माण के सिद्धांतों का उल्लेख करें। 5

ग) समूह विकास के विभिन्न संकेतक क्या हैं? 5

घ) समूह कार्य अभ्यास में पारस्परिक मॉडल के महत्व को स्पष्ट करें। 5

ङ) कार्यक्रम नियोजन की अवधारणा पर चर्चा करें? 5

च) समूह निर्माण की प्रक्रिया समझाइये। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिए:

क) कुदुम्बश्री 4

ख) द्विपक्षीयता की अवधारण 4

ग) समूह की गतिशीलता 4

घ) समूह बंधन 4

ङ) उपचारात्मक मॉडल 4

च) स्वयं सहायता समूह 4

छ) समूह रचना 4

ज) पारस्परिक प्रभाव

सामुदायिक विकास के लिए समुदाय संगठन प्रबंधन
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–009
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) भारत में समाज कल्याण प्रशासन के इतिहास का वर्णन करें। 20

अथवा

सामाजिक क्रिया के विभिन्न मॉडलों पर चर्चा करें। भारतीय संदर्भ में उदाहरण दीजिए। 20

2) सामुदायिक संगठन के मॉडल से आप क्या समझते हैं? भारतीय संदर्भ में उपयुक्त उदाहरणों की सहायता से सामुदायिक संगठन के जैक रोथमैन के मॉडल (1968) की विस्तार से चर्चा करें। 20

अथवा

यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका में सामुदायिक संगठन के विकास के प्रक्षेप पथ पर प्रकाश डालें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिए:

क) सूचना प्रौद्योगिकी के युग में समुदाय की बदलती अवधारणा और अर्थ को स्पष्ट करें। 10

ख) वेइल एंड गैंबल द्वारा दिए गए आठ उद्देश्यों की गणना करें जो सामुदायिक अभ्यास सहभागिता का आधार प्रदान करते हैं। 10

ग) उपयुक्त उदाहरणों के साथ शहरी समुदायों की विभिन्न विशेषताओं का वर्णन करें। 10

घ) समाज कार्य व्यवसायी के दृष्टिकोण से समुदाय को देखने की रूपरेखा पर चर्चा करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिए:

क) अब्राहम मैस्लो के आवश्यकता प्राथमिकता मॉडल का उदाहरण दीजिए। 5

ख) भारत में विभिन्न प्रकार के समाज कल्याण प्रशासन पर चर्चा करें। 5

ग) समस्या–समाधान पद्धति के रूप में सामुदायिक संगठन पर संक्षेप में विचार करें। 5

घ) सामुदायिक संगठन से जुड़े अंतर्निहित मूल्यों की व्याख्या करें। 5

ङ) ग्रामीण सामाजिक संरचनाओं की परिभाषित विशेषताएं क्या हैं? भारतीय संदर्भ में उपयुक्त उदाहरणों की सहायता से चर्चा करें। 5

च) भारत में झुग्गी बस्ती समुदाय की विशिष्ट विशेषताओं पर चर्चा करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिए:

क) जेमिनशाट 4

ख) ग्रामीण द्वंद्व 4

ग) रिश्तेदारी 4

घ) सामाजिक क्रिया का गांधीवादी मॉडल 4

ङ) SWOC विश्लेषण 4

च) POSDCoRB 4

छ) लेन समिति रिपोर्ट (1939) 4

ज) विमुक्त जनजाति 4